महर्षि वाल्मीकि रामायण का परवर्ती साहित्य पर प्रभाव

(राष्ट्रिय संगोष्ठी में प्रस्तुत किए गए शोध पत्र)

(पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला की महर्षि वाल्मीकि पीठ
और आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, अंबाला द्वारा
संयुक्त रूप से समायोजित राष्ट्रिय संगोष्ठी में प्रस्तुत किए गए शोध पत्र)

सौजन्य
राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानम्–नव–देहली

सम्पादक
डॉ. इन्द्र मोहन सिंह
पूर्व-डीन, भाषा-संकाय, पंजाबी वि.वि. पटियाला
पूर्व-अध्यक्ष, संस्कृत विभाग, पंजाबी वि.वि. पटियाला
पूर्व-अध्यक्ष, वाल्मीकि चेयर, पंजाबी वि.वि. पटियाला

प्रकाशन
शहीद–ए–आज़म पब्लिकेशन, पटियाला

Scanned by CamScanner

©
महर्षि वाल्मीकि चेयर,
पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला
(1961 के पंजाब ऐकट नः 35 अधीन स्थापित)

Impact of Maharishi Valmiki Ramayana on Later Literature

(Research papers presented in the National Seminar organized by Valmiki Chair, Punjabi University, Patiala & Adarsh Sanskrit College, Ambala)

Sponsored by:
Rashtriya Sanskrit Sansthanam, New Delhi

Editor :
Dr. Inder Mohan Singh
Ex-Dean Language Faculty, Punjabi University, Patiala
Ex-Head Sanskrit Department, Punjabi University, Patiala
Ex-Head Valmiki Chair, Punjabi University, Patiala

ISBN: 978-93-84789-92-3

Year : 2019

कापियाँ : 100

कीमत : 400/-

लेजर टाईप सैटिंग : शहीद–ए–आज़म प्रैस एंड होस्पिटैलिटी प्रा. लि., पटियाला 9814632807

शहीद–ए–आज़म पब्लिकेशन, पटियाला की ओर से प्रकाशित
शहीद–ए–आजम प्रैस एंड होस्पिटैलिटी प्रा. लि., पटियाला द्वारा मुद्रित

विषय–सूची

i आशीर्वचन– डा. वी. एस घुम्मण 6
ii शुभाशंसा– डा. राधावल्लभ त्रिपाठी 7
iii Benediction S- Subramanya Sarma 10
iv प्ररोचना 11
v सेमिनार प्रतिवेदन–डा. विष्णु दत्त शर्मा 12
vi भूमिका–डा. इन्द्रमोहन सिंह 13

शोध पत्र विषय–सूची

1. प्रतिमाऽभिषेकनाटकयोः श्रीरामचरितवर्णने रामायणस्य प्रभाव – रमाकान्तपाण्डेयः 15
2. रामायण के आलोक में जानकी परिणय के सन्दर्भ–डा. वीरेन्द्र अलंकार 25
3. श्रीमद् वाल्मीकीय रामायण के "सुन्दरकाण्डम्" और रामचरितमानस के "सुन्दरकाण्ड" में कथासाम्य– डा.निर्मल कौशिक 31
4. श्री दसम ग्रन्थ साहिब में रचित रामावतार और वाल्मीकि रामायण की तुलनात्मक समीक्षा– डा. शरण कौर 43
5. श्रीराम के सम्बन्ध में दृष्टि भेद (श्री मद्वाल्मीकीय रामायण एवं अध्यात्मरामायण के परिप्रेक्ष्य में)– डा. त्रिलोचन शर्मा 51
6. रामायण का रघुवंश पर प्रभाव– डा. वीरेन्द्र कुमार 56
7. अभिषेक नाटक पर रामायण का प्रभाव– डा. आशीष कुमार 62
8. संस्कृत साहित्य में प्रतिष्ठित महर्षि वाल्मीकि– डा. नौनिहाल गौतम 70
9. खडी बोली में विरचित खण्डकाव्यों में रामायण के कथा प्रसंगों का प्रस्तार विश्लेषण– डा. रविदत्त कौशिश 80
10. वाल्मीकि रामायण और रघुवंश महाकाव्य– डा. अनीता 89
11. ਪੰਜਾਬੀ ਅਖਾਣ ਅਤੇ ਰਾਮ-ਕਥਾ ਸਬੰਧੀ ਸੰਸਕ੍ਰਿਤ-ਗ੍ਰੰਥ-ਸੂਕਤੀਆਂ ਦਾ ਆਪਸੀ ਸਬੰਧ - ਪ੍ਰੋ. (ਡਾ.) ਲਖਵੀਰ ਸਿੰਘ) 95
12. कुन्दमाला नाटक पर वाल्मीकि रामायण का प्रभाव– डा. कामदेव झा 123
13. वाल्मिकि रामायण और उन्नमत राघव का तुलनात्मक अध्ययन – डा. दीपशिखा 132
14. राम परम्परा के संस्कृत नाटक– डा. सुषमा अलंकार 142
15. रामकथा पर आधारित हिन्दी उपन्यास एक,सिंहावलोकन– रचना 148
16. वाल्मीकिरामायणस्य बालरामायणे प्रभावः– कपिल देव 155
17. वाल्मीकि रामायण का हनुमद्दूतम् खण्डकाव्य पर प्रभाव– गोपी शर्मा 160
18. वाल्मीकिरामायण से प्रभावित कतिपयकाव्य–ओमनदीप शर्मा 170
19. वाल्मीकिरामायण का रघुवंश महाकाव्य पर आचरणीय प्रभाव – डा. संजय कुमार 191
20. रामायण का मेघदूत पर प्रभाव – संजीव धारु 201
सम्बन्धित विद्वानों के सम्पर्क–सूत्र 204

Scanned by CamScanner